International Seminar

Pictuers of International Seminar

Department of Sanskrit has organized two Days International Seminar on the topic **Anand Tattva In Sanskrit Vangamay** on 26-27 November, 2022. Prof. Srinivash Varkedi, Vice Chancellor, Central Sanskrit University, New Delhi, was chief guest, Prof. Suresh Chandra Pande, Ex. HOD, Department of Sanskrit, University of Allahabad, was the keynote speaker in the inaugural ceremony . The event was chaired by Dr. Philip Ruchinski, a great scholar from Poland and the guest of honour was Dr. D. Prabha from England. In the valedictory ceremony Prof Hare Ram Tripathi, Vice Chancellor, Sampurnanand Sanskrit University Varanasi, Prof Gopabandhu Mishra, Ex. Vice Chancellor, Shrisomnath Sanskrit University, Veraval, Gujrat, and Prof Umakant Yadav, HOD, Department of Sanskrit were honoured the occassion.

In this Seminar more than 350 participants were registered while more than 200 participants shared their valuable,innovative information by reading papers in 12 technical sessions at four different places. We had also organized a special online session in which scholars from the Netherlands, Nepal, Himachal Pradesh and Mirzapur district of Uttar Pradesh participated in this seminar and increased our knowledge with their scholarly thoughts.

Validictory Session of International Seminar

GPS Map Came
Prayagraj, Uttar Pradesh, India
CVW5+79J, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh 211002, India
Lat 25.445628°
Long 81.858376°
Google

GPS Map Came
Prayagraj, Uttar Pradesh, India
CVW5+6CC, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh 211002, India
Lat 25.445547°
Long 81.85842°

पृष्ठ 6
अमर उजाला प्रयागराज / सोमवार, 28 नवंबर, 2022

सीएमपी पीजी कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण। अमर

जहां सब भरा है, वहां आनंद नहीं

अमर उजाला ब्यूरो

सीएमपी डिग्री कॉलेज में हुई संगोष्ठी में बोले प्रो. श्रीनिवास

प्रयागराज। आनंद के लिए स्थान की जरूरत होती है, जहां सब भरा है, वहां आनंद नहीं है। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने सीएमपी डिग्री कॉलेज में रविवार को आयोजित संगोष्ठी में कही।

संस्कृत वाङ्मय में आनंद तत्व विषय पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. श्रीनिवास ने नई शिक्षा नीति को आनंद तत्व से जोड़ते हुए कहा कि आनंद अनिर्वचनीय है।

दुख के प्रति कभी उदासीन नहीं होता। इसलिए उसे दुख का निरंतर अनुभव होता रहता है।

आनंद का अनुभव आत्मा से होता है। अतः दुख से घिरे होने के कारण हम कभी इस आनंद का अनुभव नहीं कर पाते। विशिष्ट अतिथि इंग्लैंड की दिव्य प्रभा ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल ही आनंद है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पोलैंड के शिवानंद शास्त्री ने कहा कि विभिन्न ललित कलाओं का उद्देश्य परम रस की अनुभूति है। स्वागत प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे, संचालन डॉ. दीप्ति विष्णु एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र पाल सिंह ने किया।

26 November 2022

आनन्द तत्वं अभिनवा शिक्षानीतिभिः सह संयोजयेत्-कुलपतिः प्रो.श्री. निवास वरखेड़ी

अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी 100 प्रपत्राणि प्रस्तुतानि क्रियन्तेस्म

प्रयागराजः। वार्ताहरः। सी.एम.पी. महाविद्यालयस्य संस्कृत विभागस्य तत्वावधाने समायोज्यमानायाः द्विदिवसीया संगोष्ठयाः 26 नवम्बरे पूर्वाह्ने 11 वादने उद्घाटन सत्रेण सह संस्कृत वांगमये आनन्द तत्वम् इति विषये अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठयाः प्रथम दिवसस्य विविधैः सोपानैः समायोजनं सम्पादितम्। सेमिनार कार्यक्रमे मुख्यातिथिः प्रो. श्री निवास वरखेड़ी कुलपतिः केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयः नव देहल्याः , सारस्वता तिथिः प्रो सुरेश चन्द्र पाण्डेयः, विशिष्ट अतिथिः इग्लैण्डतः दिव्य प्रभा महोदया, श्री शिवानन्दः पोलैण्डतः आस्ताम्। सत्रस्य अध्यक्षः प्राचार्यः अजय प्रकाश खरे, संयोजकश्च विभागाध्यक्षः डॉ. सुरेन्द्र पाल सिंहः आसीत्। इमे एव विषय प्रवर्तनं कृतवान् ।गोष्ठयां प्रो सुरेश चन्द्र पाण्डेयः बीज वक्तव्ये अबोधतायाः चर्चामकरोत् । दिव्य प्रभा दुखस्य कारणं निवारणं च प्रतिपादयतिस्म। मुख्यातिथिः कुलपतिः आनन्द तत्वं अभिनवा शिक्षा नीतिभिः सह संयोजयन् विचाराभिव्यक्तं कृतवान् । अनन्तरे प्रायः 100 प्रपत्राणि प्रस्तुतानि क्रियन्तेस्म।कार्यक्रमस्य संयुक्त संचालनं डॉ. दीप्ति विष्णुः, डॉ सत्यप्रकाश श्रीवास्तवः कृतवन्तौ। अनन्तरे सायंकाले शिवशक्तिः इति नृत्यनाटिका अनन्तरे प्रतिमा ना... मंचनं जातम् । पूर्वे कविसमवायः अपि अभवत् । ... कार्यक्रमे डॉ पूर्णिमा मालवीयः डॉ शम्भूनाथ त्रिपाठी अंशुलः, डॉ आनन्द कुमार श्रीवास्तवः, उर्मिला श्रीवास्तवः, डॉ अरुणेय मिश्रः, डॉ मनोज मिश्रः, डॉ ललित कुमार त्रिपाठी, डॉ अनूप त्रिपाठी, डॉ आशुतोष मिश्रः, डॉ कनकलता दुबे, प्रभृतयः उपस्थिताः आसन्।

3

प्रयागराज, सोमवार, 28 नवंबर 2022 05

शहर 30s

सीएमपी डिग्री कॉलेज में आयोजित सेमिनार में पुस्तक विमोचन भी किया गया।

भारतीय संस्कृति का मूल ही आनंद

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के संस्कृत-विभाग में दो दिनी अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि आनंद अनिर्वचनीय है। युवा ही इस आनंद मीमांसा का अधिकारी है। प्रो. सुरेश चंद्र पांडेय ने कहा कि मनुष्य सुख के प्रति उदासीन होता है, जबकि दुख के प्रति कभी उदासीन नहीं होता इसलिए उसे दुख निरंतर अनुभव होता रहता है। दिव्य प्रभा ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल ही आनंद है। शिवानंद शास्त्री ने कहा कि विभिन्न ललित कलाओं का उद्देश्य परम रस की अनुभूति है। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने की।

Scanned with OKEN Scanner

...कट्ठे हुए और अपने कालेज के पुराने दिनों के भोजन मेनू को पुनर्जीवित करते हुए मेस में नाश्ता ... द्विवेदी संयुक्त सचिव द्वारा विदाई दी गई। अगला पूर्व छात्र सम्मेलन एक साल बाद नवंबर में ही आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

आनंद मीमांसा का अधिकारी सिर्फ युवा

जासं, प्रयागराज : सीएमपी डिग्री कालेज के संस्कृत-विभाग की ओर से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार हुआ। इसका विषय संस्कृत वाड्मय में आनंद तत्व रहा। उद्घाटन सत्र के मुख्यअतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरख़ेड़ी रहे। उन्होंने कहा, आनंद अनिर्वचनीय है। युवा ही इस आनंद मीमांसा का अधिकारी है। प्रो. सुरेश चंद्र पांडेय, दिव्य प्रभा, शिवानंद शास्त्री ने कहा, विभिन्न ललित कलाओं का उद्देश्य परम रस की अनुभूति है। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने की। अवसर पर डा. सुरेंद्र पाल सिंह, डा. सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, डा. दीप्ति विष्णु आदि मौजूद रहीं।

आयुर्वेदिक-यूनानी चिकित्सक भर्ती का साक्षात्कार पांच से

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद और यूनानी) के 962 पदों पर भर्ती के लिए पांच, छह, 14, 15 और 16 दिसंबर को साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की वेबसाइट पर प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। दो पाली में सुबह दस...

विपिन की शानदार पारी से जीता माइटी डेमंस

जासं, प्रयागराज : दी माइटी डेमंस ने पसियावाद यूथ क्लब को 119 रन से हराकर त्रिकोणीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला जीता। रविवार को विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए दी माइटी डेमंस ने 20 ओवर में दो विकेट पर 252 रन बनाए...

आधुनिक वार्ता पत्रम संस्कृत दैनिक

इरानस्य सर्वोच्चनेतुः भगिनी गृ...

विरोध समर्थकः चलच्चित्रनि...

Inaugural Session of International Seminar

News Coverage of International Seminar

Cultural Evening : International Seminar

Sanskrit-Kavi Sammelan

On the first day [26 November 2022] of the International Seminar, **Sanskrit-Kavi Samvaya** was organized in the afternoon, in which the learned participants from India and abroad showered the graceful and elegant stream of Sanskrit poetry. **Prof. Rahasbihari Dwivedi**, Former Head, Department of Sanskrit, Jabalpur University**, Prof. Janardan pandey Mani**, Central Sanskrit University, Ganganath Jha Campus, **Prof. Vijay Karna**, Motihari University, **Dr. Rajendra Tripathi 'Rasraj'**, Allahabad Degree College, **Dr. Suryakant**, Gorakhpur University etc. famous poets were there.

Cultural Event in International Seminar